जून, 2013

वित्तीय शिक्षण श्रंखला
इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग

संस्करण –2

राजू और डेबिट कार्ड

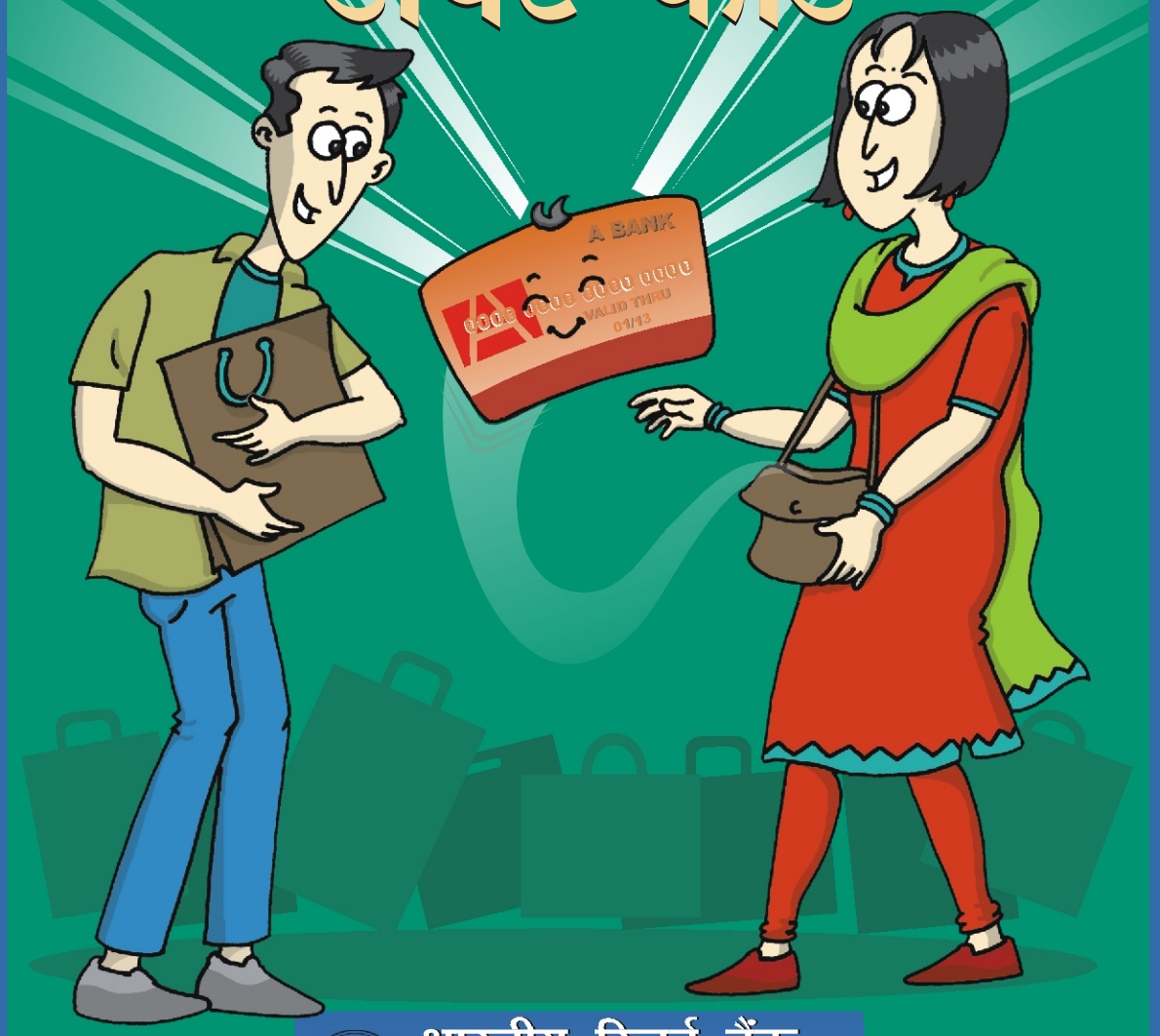

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

राजू से मिलिये – एक नटखट, जिज्ञासु, स्कूल जाने वाला गाँव का लड़का जिसने मूलभूत बैंकिंग के बारे में आरबीआई द्वारा प्रस्तुत पहली वित्तीय साक्षरता श्रंखला (राजू और पैसों का पेड़, राजू और आसमानी सीढ़ी और राजू और जादुई बकरी) के माध्यम से सीखा। रामपुर जाते समय राजू ने अपने जिज्ञासु प्रश्नों के माध्यम से अपने गोपी चाचा से एटीएम से पैसे निकालना, इसकी सुरक्षा संबंधी विशेषताओं और बहुउद्देशीय क्षमताओं के बारे में सीखा (राजू और एटीएम दोस्त)। इस संस्करण में राजू मुंबई में अपनी बहन के पास जाता है और ई–कॉर्मस साइटों पर पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) टर्मिनलों पर नकदी के बिना बैंक के एटीएम–कम–डेबिट कार्ड के माध्यम से खरीददारी करना सीखता है।

भारतीय रिज़र्व बैंक के भुगतान और निपटान प्रणाली विभाग द्वारा प्रस्तुत इस कॉमिक बुक को पढ़िये और जानिए कि कैसे राजू ने अपनी बहन रानी और उसकी सहेली तारा के माध्यम से अपने ई–बैंकिंग के ज्ञान को बढ़ाया। राजू के अनुभवों की कहानी www.rbi.org.in/commonpersons पर भी उपलब्ध है।

चित्रः अनुपम शर्मा
आलेखः राधा सोमकुमार
हिंदी अनुवादः सत्यम मिश्रा

जून 2013 में पहली बार प्रकाशित
अधिक जानकारी के लिए या इस कॉमिक बुक को मंगाने के लिए आप हमें इस पते पर लिख सकते हैं :

मुख्य महाप्रबंधक
भारतीय रिज़र्व बैंक
भुगतान और निपटान प्रणाली विभाग, केंद्रीय कार्यालय,
14वीं मंजिल, केंद्रीय कार्यालय भवन, फोर्ट, मुंबई – 400 001
ईमेल – cgmdpss@rbi.org.in

राजू और डेबिट कार्ड

A BANK
VALID THRU
01/13

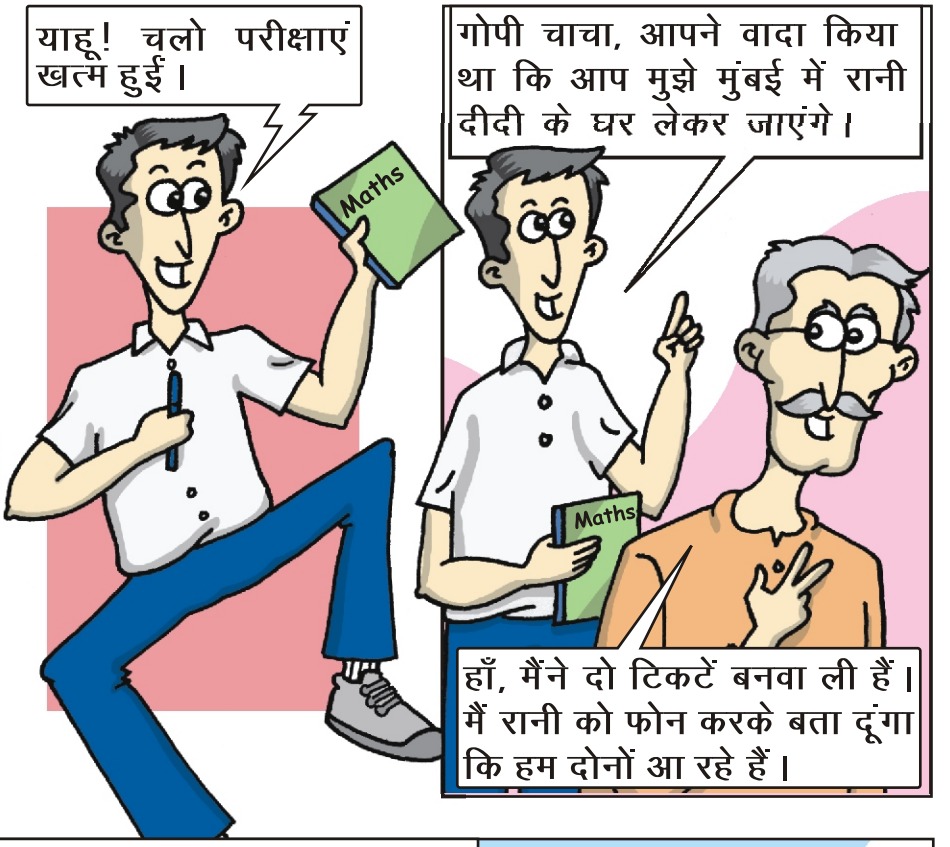
याहू! चलो परीक्षाएं खत्म हुई।
Maths
गोपी चाचा, आपने वादा किया था कि आप मुझे मुंबई में रानी दीदी के घर लेकर जाएंगे।
Maths
हाँ, मैंने दो टिकटें बनवा ली हैं। मैं रानी को फोन करके बता दूंगा कि हम दोनों आ रहे हैं।

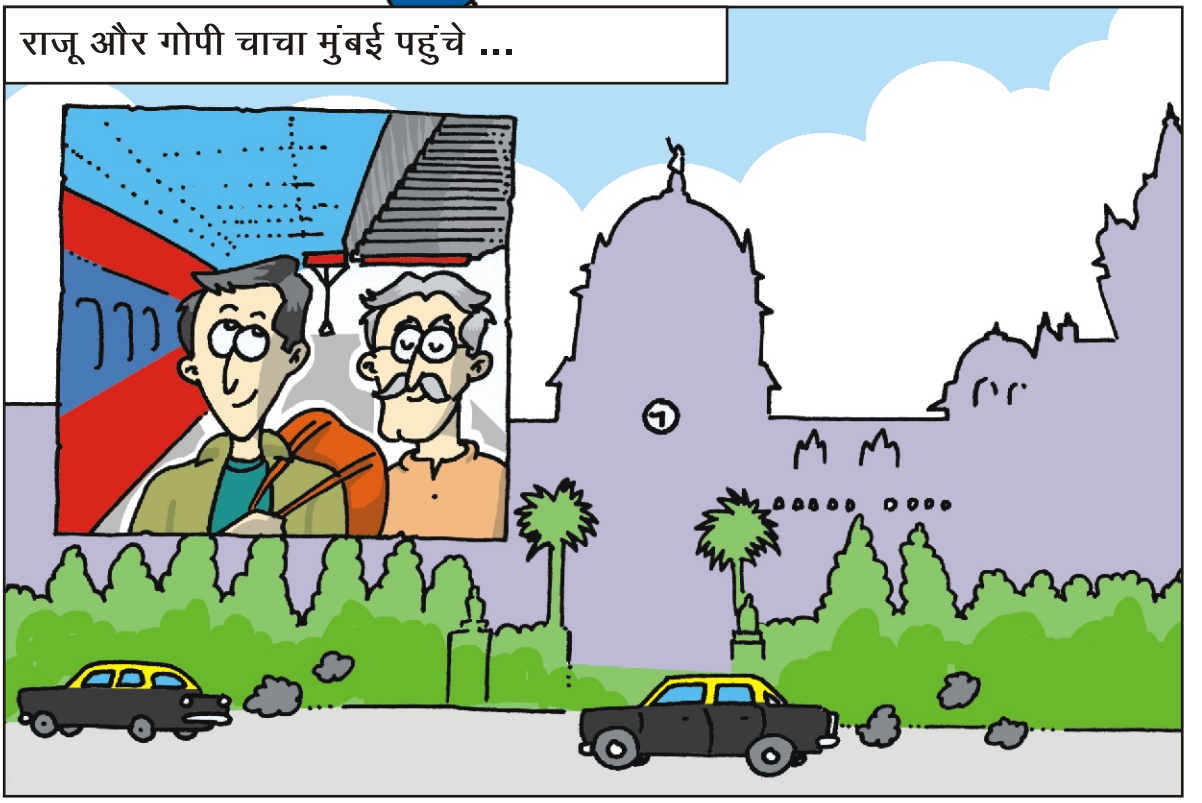
राजू और गोपी चाचा मुंबई पहुंचे ...

और रानी के घर पहुँच गए।
चाचा जी और राजू, मुंबई में आपका स्वागत है।
बहुत अच्छा हुआ कि तुम आज आ गए क्योंकि आज मेरी छुट्टी है। हम बाहर साथ में खरीददारी करने जा सकते हैं।
राजू,मैं देखती हूँ कि मेरा कार्ड मेरे पास है या नहीं। हाँ, है। चलो चलते हैं।

और गोपी चाचा?
नहीं, राजू। मैं आराम करूंगा। तुम दोनों जाओ।

बाजार में
देखो राजू, तुमने वह मशीन देखी क्या और लोग वहाँ क्या कर रहे हैं?

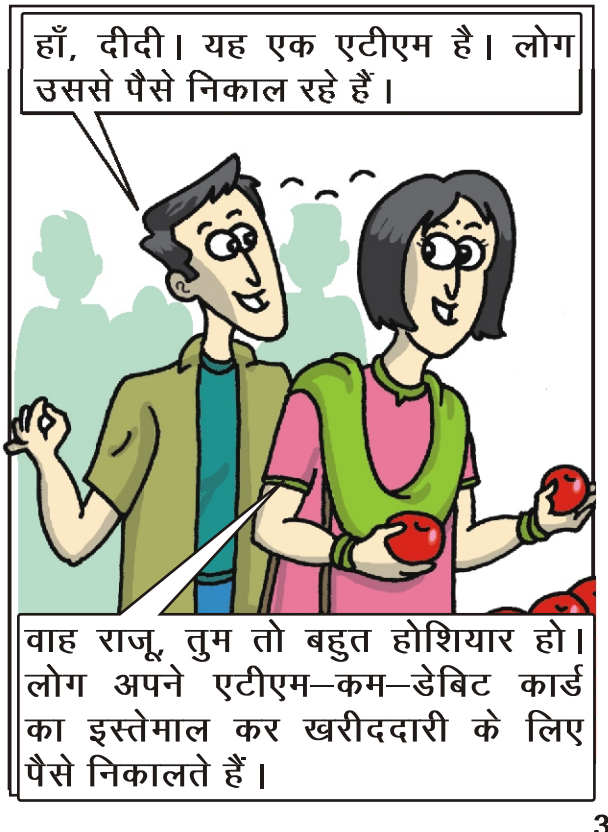
हाँ, दीदी। यह एक एटीएम है। लोग उससे पैसे निकाल रहे हैं।
वाह राजू, तुम तो बहुत होशियार हो। लोग अपने एटीएम–कम–डेबिट कार्ड का इस्तेमाल कर खरीददारी के लिए पैसे निकालते हैं।

क्या आप भी इससे पैसे निकालेंगी?
कोई जरूरत नहीं है राजू। हम इस कार्ड से भुगतान कर सकते हैं। मैं तुम्हें दिखाऊँगी कि यह कैसे करते हैं।

राजू और रानी मॉल के अंदर एक दुकान में जाते हैं।
दीदी, मुझे यह ट्राउज़र और टी–शर्ट पसंद है।
I
INDIA
अच्छी पसंद है, राजू।
बिल कितना हुआ?
1500 रुपये मैडम। कार्ड या कैश?
मैं कार्ड से भुगतान करूंगी।
दीदी, आपने उसे पैसे की जगह कार्ड क्यों दिया?

राजू, हम इस कार्ड के द्वारा भुगतान कर सकते हैं। तुम यह मशीन देख रहे हो?

ऐसा कैसे हो सकता है? हमने कपड़े खरीदे और उनके बदले में उसे पैसे ही दिए जाने चाहिए।

यह कार्ड बेहतर है। यह सीधे दुकानदार के बैंक खाते में पैसे जमा करा देता है। दुकानदार के बैंक को एक्वायरर बैंक कहते हैं।

इसे पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) टर्मिनल कहते हैं। कैशियर मेरे कार्ड को स्वाइप करेगा और मेरे बैंक खाते से पैसे निकाल लेगा।

पीओएस मेरे बैंक से बात करता है, इस बात की जांच करता है कि मेरे खाते में पैसे हैं या नहीं और लेनदेन की पुष्टि करता है। देखो, उस छोटे से प्रिन्टर से पर्ची बाहर आ रही है। मेरे खाते से पैसा निकाल लिया गया है।

कौन सा खाता दीदी?

इस कार्ड को देखो, जिस बैंक में मेरा खाता है उसका नाम इस पर लिखा हुआ है। मेरे बैंक को जारीकर्ता बैंक कहा जाता है।

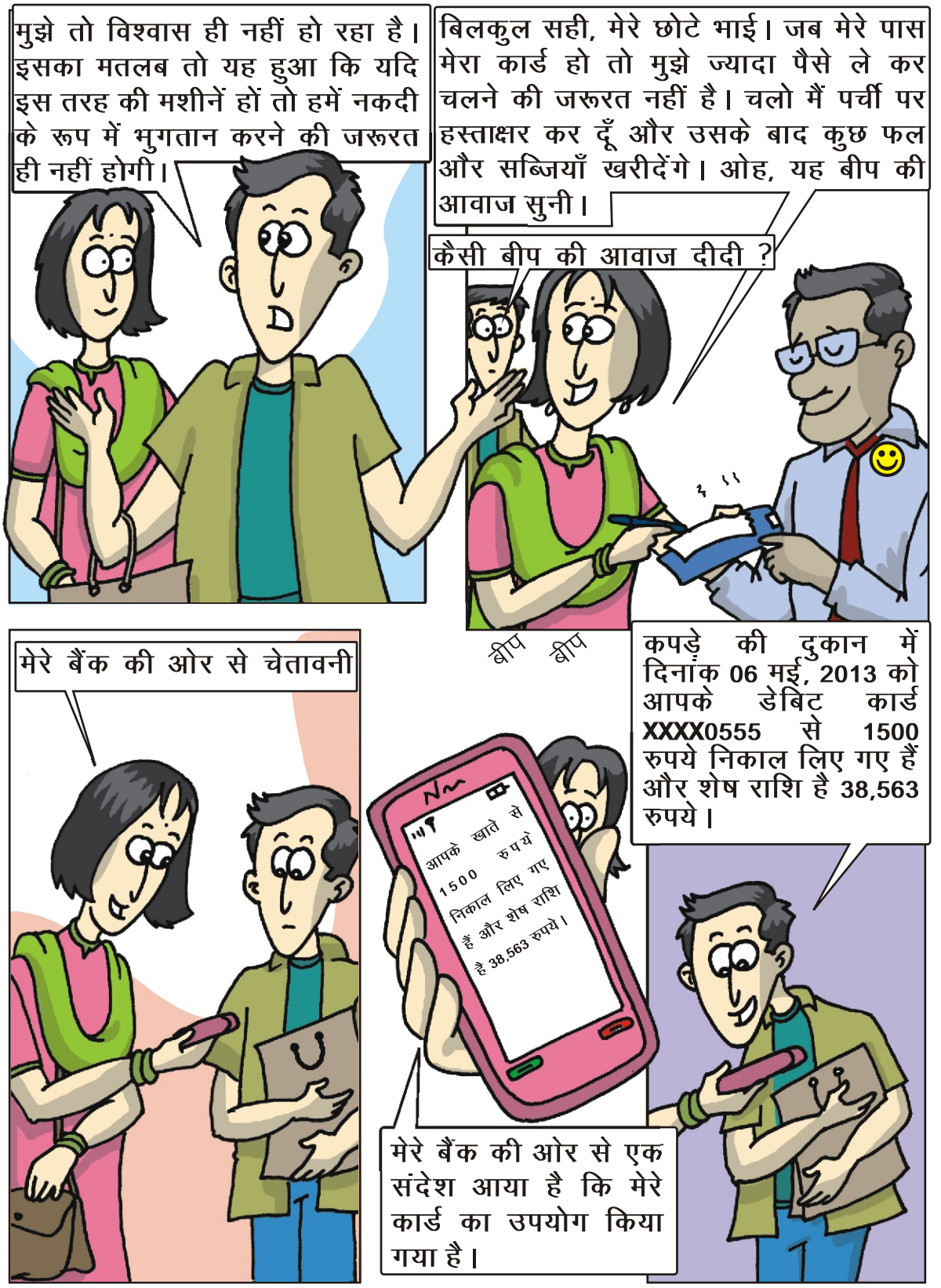

मुझे तो विश्वास ही नहीं हो रहा है। इसका मतलब तो यह हुआ कि यदि इस तरह की मशीनें हों तो हमें नकदी के रूप में भुगतान करने की जरूरत ही नहीं होगी।
बिलकुल सही, मेरे छोटे भाई। जब मेरे पास मेरा कार्ड हो तो मुझे ज्यादा पैसे ले कर चलने की जरूरत नहीं है। चलो मैं पर्ची पर हस्ताक्षर कर दूँ और उसके बाद कुछ फल और सब्जियाँ खरीदेंगे। ओह, यह बीप की आवाज सुनी।
कैसी बीप की आवाज दीदी ?
बीप बीप
मेरे बैंक की ओर से चेतावनी
आपके खाते से 1500 रुपये निकाल लिए गए हैं और शेष राशि है 38,563 रुपये।
मेरे बैंक की ओर से एक संदेश आया है कि मेरे कार्ड का उपयोग किया गया है।
कपड़े की दुकान में दिनांक 06 मई, 2013 को आपके डेबिट कार्ड XXXX0555 से 1500 रुपये निकाल लिए गए हैं और शेष राशि है 38,563 रुपये।

राजू और रानी दूसरी दुकान पर जाते हैं और कुछ फल सब्जियाँ खरीदते हैं ।

दीदी, यह पीओएस मशीन तो बहुत ही अच्छी है। यदि इस तरह की मशीनें रामू काका की दुकान पर और हमारे गाँव की सभी दुकानों पर होतीं तो हमें बैंक या एटीएम जाने की जरूरत ही नहीं होती।

बिल्कुल ठीक कह रहे हो राजू। तुम सच मेंबहुत होशियार हो।

कम नकदी और दुकानदारों और उपयोगकर्ताओं दोनों ही के लिए सुविधार्पूण ।

काश कि सभी दुकानों में पीओएस होता। तब तो मैं केवल एक ही कार्ड से खरीददारी करता। सभी जेबकतरे बेरोजगार हो जाते ।

घर पर .....

दीदी, देखो कौन आया है?

हाय! मेरे भाई से मिलो। राजू ये मेरे ऑफिस की दोस्त तारा है। कैसे आना हुआ तारा?

हेलो राजू!

रानी, मुझे तुम्हारी मदद की जरूरत है। मेरी दादी बीमार हैं और मेरी माँ उनसे मिलने जाना चाहती हैं। मुझे तुरंत एक टिकट ऑनलाइन बुक करनी है। क्या मैं तुम्हारे कंप्यूटर का इस्तेमाल कर सकती हूँ।

हाँ, क्यों नहीं, अंदर आओ। मैं इन्टरनेट चालू करती हूँ।

देखो, तारा दीदी भी अपने कार्ड का इस्तेमाल कर रही है। लेकिन हमारे पास वैसी पीओएस मशीन नहीं है जैसी हमने दुकान में देखी थी। वो अब क्या करेंगी।

राजू ,तुम कार्ड में दिये गए विवरणों को भरकर भुगतान कर सकते हो।

ये देखो! मैंने ट्रेन का टिकट बुक कर दिया। अब मैं अपने डेबिट कार्ड का उपयोग करके अपने दादा जी को कुछ पैसे भेजूँगी।

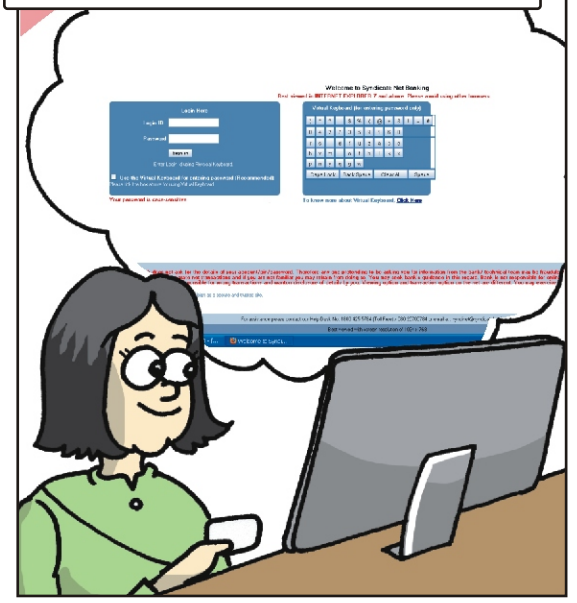

देखो, मैं अपने दादा जी के डेबिट कार्ड में 5,000 रुपये कैसे भेजती हूं। देखो मेरे बैंक की वेबसाइट। मेरे दादा जी के डेबिट कार्ड से संबंधित विवरण डालने के बाद यह मुझसे पिन मांग रहा है (एक तरह का पासवर्ड) जो केवल मुझे पता है।

देखो, अपना पिन दर्ज करने के बाद लेनदेन पूरा हुआ। मेरे दादा जी के डेबिट कार्ड में पैसा चला गया।

क्या आप अपने डेबिट कार्ड का उपयोग करके, कितने भी पैसे भेज सकती हैं?

नहीं, एक बार में अधिकतम 5,000 रुपये और महीने में कुल 25,000 रुपये ।

दीदी, मैं सोच रहा था कि यदि किसी को आपका कार्ड मिल जाए और वह व्यक्ति इसी तरह से पैसे भेज दे तो क्या होगा?

राजू तुम बहुत होशियार हो। पर क्या तुमने देखा कि जब मैंने अपने बैंक की वेबसाइट पर लॉगिन किया उस समय मैंने यूजर आईडी और पासवर्ड डाला था। इसके बारे में केवल मुझे पता है। मैं यह जानकारी किसी को भी नहीं देती हूँ।

यदि मेरा कार्ड किसी को मिल भी जाए, तो वह मेरी यूजर आईडी, पासवर्ड और पिन के बिना इसका उपयोग नहीं कर पाएगा।

वाह! यह तो बहुत ही अच्छा है।

इस सुविधा से कितनी राहत है? धन्यवाद रानी, मैंने अपनी माँ के लिए टिकट बुक किया और अपने दादा जी को पैसे भी भेज दिये।

बहुत अच्छा। इसकी सबसे अच्छी बात है मोबाइल पर चेतावनी।

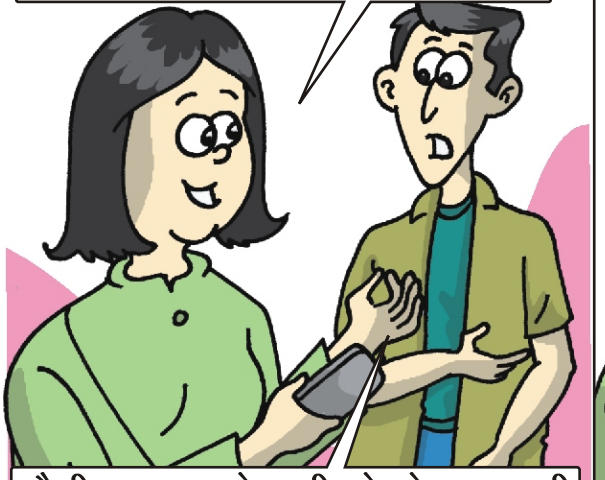

जैसी कल कपड़े खरीदने के बाद रानी दीदी को मिली थी। लेकिन आपके बैंक को आपका मोबाइल नंबर कैसे पता चलता है।

मैंने अपने बैंक में अपना मोबाइल नंबर रजिस्टर करा रखा है। रानी ने भी अपने बैंक में ऐसा किया है।

ठीक है रानी। बाए राजू। तुमसे मिलकर बहुत अच्छा लगा।
गुड बाए दीदी।
गोपी चाचा कमरे में आते हैं......
ओह! मैं बहुत थका हुआ था लेकिन अच्छी नींद के बाद अब मैं तरोताजा महसूस कर रहा हूँ ।
गोपी चाचा, तारा दीदी ने मुझे बहुत सी महत्वर्पूण जानकारी दी है जो मैं आपसे बाद में बताऊंगा।
राजू, क्या मैं कोई बहुत महत्वर्पूण बात चूक गया?
हो सकता है चाचा जी, हा हा। दीदी को काफी कुछ पता है।

तीन तरह के कार्ड होते हैं:

1. एटीएम–कम–डेबिट कार्ड
2. क्रेडिट कार्ड
3. प्रीपेड कार्ड

- इन सभी कार्डों का उपयोग पीओएस टर्मिनलों पर सामान और सेवाओं को खरीदने के लिए किया जा सकता है। दुकानदार उन नेटवर्क ओपरेटरों के नाम अपनी दुकान पर प्रदर्शित करते हैं जिनके कार्ड उनके द्वारा स्वीकार किए जाते हैं जैसे कि वीजा, मास्टर, डाइनर्स, अमेक्स और रूपे।

- एटीएम से पैसा निकालने की कोई जरूरत नहीं है यदि उन पैसों का इस्तेमाल ऐसी दुकान से सामान/सेवाएँ खरीदने में करना है जहां पीओएस टर्मिनल लगा हुआ है।

- कार्डों का इस्तेमाल ई–कॉमर्स साइटों पर भी किया जा सकता है।

क्या न करें

- कभी भी अपना यूज़र आईडी और पासवर्ड, डेबिट कार्ड पिन किसी को भी न बताएं।
- पासवर्ड / पिन किसी भी कागज, कार्ड, या डायरी पर न लिखें।
- अपना बैंक खाता नंबर, यूज़र आईडी, पासवर्ड और पिन मेल के माध्यम से कभी भी न भेजें क्योंकि बैंक कभी भी ऐसी सूचना नहीं मांगते हैं।
- वित्तीय लेनदेन करने के लिए इंटरनेट कैफे / सार्वजनिक इंटरनेट का प्रयोग कभी भी नहीं करना चाहिए।

क्या करें

- पासवर्ड को समय–समय पर बदलते रहें।
- जहाँ तक संभव हो पासवर्ड/पिन को याद रखें।
- अपने मोबाइल नंबर को अपने बैंक में पंजीकृत कराएं और अपने बैंक से कहें कि आपके खाते में होने वाले सभी लेनदेनों के संबंध में आपको एसएमएस एलर्ट भेजे।
- अपने खाते में होने वाले लेन–देन की समय–समय पर जाँच करते रहें और यदि कोई संदिग्ध लेनदेन हो तो उसके बारे में बैंक को तुरंत सूचना दें।
- इन्टरनेट ई–कॉमर्स साइट पर कोई उत्पाद अथवा सेवाएं खरीदते समय अथवा बिलों का भुगतान करते समय इस बात को सुनिश्चित करें कि जिस इंटरनेट वेबसाइट के पते पर आप इंटरनेट बैंकिंग का इस्तेमाल कर रहे हैं वह सुरक्षित है और https:// से आरंभ हो रही है।
- वेबसाइट को हमेशा अच्छी तरह से लॉगआउट करने के बाद ही बंद करना चाहिए न कि ब्राउज़र के शीर्ष पर दाहिनी ओर बने हुए "एक्स" के निशान पर क्लिक करके।
- यदि आपने विदेश में अपना डेबिट कार्ड एक बार भी इस्तेमाल किया है तो अपने बैंक से मौजूदा कार्ड के बदले चिप और पिन वाला कार्ड प्रदान करने के लिए कहें।

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

कापीराइट
इस सामाग्री का उपयोग किया जा सकता है बशर्ते स्रोत का उल्लेख किया जाए।
दावात्याग
भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा वित्तीय शिक्षण दिए जाने संबंधी की जा रही पहल का उद्देश्य है जनसाधारण को सामान्य जानकारी और दिशानिर्देश उपलब्ध करना। पाठकों से अनुरोध है कि वे इस जानकारी का उपयोग करते समय स्वयं के विवेक का उपयोग करें।